Roll No. ..... Total Printed Pages - 4

F - 4082

शास्त्री (प्रथम वर्षे) परीक्षायाम्, 2022

(वैकल्पिक 'ख' वर्गे)

हिन्दी साहित्य

अष्टम् प्रश्नपत्रम्

समयः घण्टात्रयम्) **(सम्पूर्णाङ्कः 100**

सूचना :- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **30**

(क) भीषण घात - प्रतिघात हुआ। दोनों कुशल, दोनों त्वरित गतिवाले थे। बड़ी निपुणता से बुद्धगुप्त ने अपना कृपाण दाँतों से पकड़कर अपने दोनों हाथ स्वतंत्र कर लिये। चम्पा भय और विस्मय से देखने लगी, नाविक प्रसन्न हो गए। परन्तु बुद्धगुप्त ने लाघव से

नायक का कृपाण वाला हाथ पकड़ लिया और विकट हुंकार से दूसरा हाथ कटि में डाल, उसे गिरा दिया। दूसरे ही क्षण प्रभात की किरणों में बुद्धगुप्त का विजयी कृपाण उसके हाथों में चमक उठा। नायक की कायर आँखे प्राण-भिक्षा माँगने लगी।

(ख) घीसू खड़ा हो गया और जैसे उल्लास की लहरों में तैरता हुआ बोला, ''हाँ बेटा, बैकुण्ठ में जाएगी।'' किसी को सताया नहीं, किसी को दबाया नहीं। मरते - मरते हमारी जिन्दगी की सबसे बड़ी लालसा पूरी कर गयी। वह न बैकुण्ठ में जाएगी तो क्या ये छोटे - मोटे लोग जाएंगे जो गरीबों को दोनों हाथों से लूटते हैं और अपने पाप को धोने के लिये गंगा में नहाते हैं और मन्दिरों में जल चढ़ाते हैं।''

(ग) चोर से ज्यादा फ़िक्र थी आबरू की। किवाड़ न रहने पर पर्दा ही आबरू का रखवाला था। वह पर्दा भी तार-तार होते-होते एक रात आँधी में किसी भी हालत में लटकने लायक न रह गया। दूसरे दिन घर की एक मात्र पुश्तैनी चीज दरी दरवाजे पर लटक गई। मोहल्ले वालों ने देखा और चौधरी को सलाह दी- ''अरे चौधरी, इस जमाने में दरी यो काहे खराब करोगे? बाज़ार से ला टाट का टुकड़ा न लटका दे।''

(घ) मैं सिरचन को मनाने गया। देखा, एक फटी हुई शीतलपाटी पर लेटकर वह कुछ सोच रहा है। मुझे देखते ही बोला- ''बबुआ

जी? अब नहीं। कान पकड़ता हूँ, अब नहीं। मोहर छाप वाली धोती लेकर क्या करूँगा? कौन पहनेगा? ससुरी खुद मरी, बेटे-बेटियों को ले गयी अपने साथ। बबुआ जी, मेरी घरवाली जिन्दा रहती तो मैं ऐसी दुर्दशा भोगता? यह शीतल पाटी उसीकी बुनी हुई है। इस शीतलपाटी को छूकर कहता हूँ, अब यह काम नहीं करूँगा। मैं चुपचाप वापस लौट आया। समझ गया, कलाकार के मन को ठेस लगी है।''

2. मुंशी प्रेमचंद रचित 'गबन' उपन्यास का उद्देश्य स्पष्ट कीजिये। **15**

अथवा

गबन उपन्यास के आधार पर जालपा का चरित्र-चित्रण कीजिये।

3. कहानी कला के तत्वों के आधार पर ''परदा'' **अथवा** ''मलबे का मालिक'' कहानी का विश्लेषण कीजिए। **15**

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए। **20**

   (i) उपेन्द्र नाथ अश्क का लेखन।

   (ii) चम्पा का चरित्र-चित्रण।

   (iii) 'ठेस' कहानी का सारांश।

   (iv) श्री जयशंकर प्रसाद जी - कहानी कला

   (v) मोहन राकेश की विशेषता।

   (vi) कफ़न का उद्देश्य।

5. निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर अति संक्षेप में दीजिये। **20**

   (i) जालपा किस रचना की पात्र है?

   (ii) 'ठेस' के रचनाकार का नाम बताइये।

   (iii) मोहन राकेश की कहानी का नाम बताइये।

   (iv) 'आकाशदीप' किसकी रचना है?

   (v) पाठ्यपुस्तक में मुंशी प्रेमचंद की कहानी का नाम क्या है?

   (vi) शिवानी की किसी भी रचना का नाम बताइये।

   (vii) ''गदल'' के रचनाकार का नाम बताइये।

   (viii) ''परदा'' किसकी रचना है?

   (ix) बालगौरी रेड्डी का जन्म कहाँ हुआ था?

   (x) 'सिरचन' किस रचना का पात्र है?